SSLC MODEL EXAMINATION-2020

Hindi X -Answer Key

prepared by **:SHANIL PARAL**
AMHSS VENGOOR, MALAPPURAM (dt)

Qn.No	Value Point/Indicators	Total Score
1	(ग) कार्ड में गुठली का नाम नहीं था ।	
2	गुठली की दीदी की शादी के काई में उसकी नाम छपा नहीं थी। इसपर ताऊजी से शिकायत करते समय ताऊजी नाराज़ से जल्दी चल जाने को कहा गुठली रोने लगी तब माँ गुठली के हाथ के कार्ड पर उसकी नाम लिख दिया .	
3	12 / 02 / 2017 सोमवार आज मेरे लिए बहुत दुख भरा दिन था आज मुझे मालुम हो गया कि मैं पराया हुँ । मैं पराये घर की आमनता हुँ । मेरी दीदी की शादी के काई में मेरी नाम छपा नहीं थी। इसपर ताऊजी से शिकायत करते समय ताऊजी नाराज़ से जल्दी चल जाने को . कहा मैं रोने लगी तब माँ मेरी हाथ के कार्ड पर मेरी नाम लिख दिया .उसमें भइया के छोटे बच्चे का भी नाम था , जो अभी बोल भी नहीं सकता अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए मुझे खुद आगे आकर प्रयत्न करना चाहिए .मेरे जीवन का यह दुख भरा दिन मैं कैसे भूलूं ? **अथवा** स्थानः तारीखः प्यारी शिखा , सप्रेम नमस्कार । तम कैसी हो ? ठीक है न ? घर में सब कुशल हैं न ? कई दिन से तुझे एक बात कहना चाहती है । क्या लडका लडकी एक समान नहीं है ? लड़का - लड़की का समान अधिकार है ? मेरी बुआ कहती है जिस घर में मेरा जन्म हआ वह मेरा घर नहीं । घर का लड़का ता आर । किसी की अमानत है । ससुराल ही मेरा असली घर होगा आदि । लेकिन मैं अपने को पराये घर की अमानत नहीं मानती हैं । बुआ का उपदेश सहन सकती . जैसे ऐसा मत करो गुठली , ऐसे धम - धम मत चलो । मुझे बुरा लगती है शिखा , हम लड़कियों से घर में इतना भेदभाव क्यों ? लड़कों को कोई रोकटोक नहीं । ऐसा क्यों ? हमें कुछ करना है । दीदी की शादी के कार्ड पर मेरा नाम नहीं छपवाया । लेकिन भैया के छोटे बच्चे का नाम भी छपवाया है । इसस मैं बहुत दुःखी हूँ ।	

SHANIL PARAL

	हमारे समाज में लड़कियों को कोई स्थान नहीं ? इसके विरुद्ध ज़रूर आवाज़ उठाना है । क्या तू मेरे साथ देगी ? तेरे पत्र की प्रतीक्षा में , तुम्हारी सहेली गुठली (हस्ताक्षर) सेवा में, ……	
4	(ग) मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था ।	
5	मैनेजर : क्यों ? क्या हुआ ? माँ : पता नहीं । मेरी आवाज फट रही है मैनेजर : गले में दर्द है क्या ? माँ : नहीं । गले से आवाज़ बाहर नहीं निकल रही है । मैनेजर : अब क्या करें ? लोग बहुत शोर मचा रहे हैं । माँ : आप ही बताइए , मुझे क्या करना है ? मैनेजर : चार्ली को स्टेज पर भेज दूं ? माँ : चार्ली को ? नहीं . . . वह तो छोटा बच्चा है न ? मैनेजर : तो क्या ? मैंने उसे आपके कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा है । _ माँ : लेकिन वह तो कमरे के अंदर था । इस उग्र भीड को वह कैसे संभालेगा । मैनेजर : आप चिंता न कीजिए , चार्ली एक होनहार बच्चा है न ? वह ज़रूर इस भीड को शांत करेगा । माँ : तो ठीक है , आपकी मर्जी	
6	कोहरे से ढँकी सुबह में	
7	भयानक	
8	. हिंदी के आधुनिक कवियों में प्रमुख है श्री राजेश जोशी । ' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' नामक इस कविता के द्वारा कवि आज की एक जलती हुई समस्या बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं । कवि कहते हैं कि बड़े सबेरे कोहरे से ट्रॅकी सड़क पर , जहाँ राह भी ठीक तरह से सूझती नहीं ,	

SHAHUL PARAL

	बच्चे काम करने केलिए जा रहे हैं। यह हमारे समय की एक भयानक स्थिति है क्योंकि यह उनके काम करने की उम्र ही नहीं है। इस उम्र में उन्हें अपने घर के घाट की गर्मी में बेखबर सोना चाहिए। यह हमारे समय की एक बड़ी समस्या है। अतः इसे सामान्य मानकर विवरण के रूप में प्रस्तुत करना और भी भयानक है। कवि की राय में इस बात को सवाल की। तरह प्रस्तुत करना चाहिए कि हमारे कुछ बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं ? तभी लोगों का ध्यान इस तरफ आकर्षित हो जाएगा। अतः वे इसे सवाल के रूप में प्रस्तुत करते हैं ।	
9	कलाम जैसा बनना	
10	उसके बनाई चाय में जादू है	
11	छोटू जाता है छोटू स्कुल जाता है छोटू खुशी से स्कुल जाता है नयक छोटू खुशी से स्कुल जाता है	
12	तु+के= तुझे	
13	यह स्कूल पाँचिवीं तक ही था	
14	**दृश्य** बेला के सिर पर सफेद पट्टी और साहिल की पिंडली में | सफ़ेद पट्टी। स्कूल वर्दी पहनी है। समय सबेरा। साहिल बेला का , और बेला साहिल का रिपोर्ट कार्ड देखता है। **संवाद** बेला (आश्चर्य से) :साहिल यह क्या तुम्हारी पिंडली में ? साहिल : कील से एक इंच गहरा गड्ढा हो गया। बला : एक इंच का। क्या तुम ने रिसलट देखा ? साहिल : हाँ देखा। बेला साहिल अब तुम कहाँ पढोगे ? साहिल :और तुम कहाँ पढोगी बेला ? बेला :मेरे पापा कह रहे थे राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएंगे और तुम ? साहिल :मुझे अगले साल अजमेर भेजेंगे। वहाँ के हॉस्टल में। घर से दूर अकेला। बेला :अकेला ? वहाँ क्यों साहिल ? साहिल : पता नहीं क्यों ? ला बेला तो अब तुम फूलेरा में नहीं रहेंगे ? साहिल: नहीं। हाँ तुम्हारा रिपोर्टकार्ड दिखाना साहिल: बेला , तुम्हारी आँख में क्यो आँसु आ रही है ? | बेला : (डबडबाई आखों से हँसती हुई) मुझे क्या पता ? अरे साहिल क्यों तुम्हारे आँखों में भी पानी ? मैं चिढाऊँ अब तुम्हें ? साहिल : बेला . . . बस बस। बेला : (हँसकर) रोनी सूरत साहिल . रोनी सुरत साहिल।	

SHAMIL PARAL

	साहिल : बेला हम जाए ? बेला :हाँ . . . . अब कब मिलेगा तुझे . . ? साहिल :किसे पता ? कब मिले ? | बेला :अब ठीक है जाऊँ | साहिल :(दुाख से) हाँ ठीक है । (दोनों अलग अलग रास्ते से चले | जाते है)	
15	मौन हो जाना	
16	गज़लों में मग्न रहने से बाहर की दुनिया से वे कुछ समय से अनजान थे । गज़ल रुकते ही वे बाहर का वातावरण यानी रात , सर्दी , नाव का हिलना और झील का विस्तार महसूस करने लगे ।	
17	समुद्र - तटों के प्रति – मोहन राकेश का विशेष आकर्षण था । गोआ में अनेक -सुंदर समुद्र - तट हैं । मल्लाह ने नाव में बैठकर- गज़ल सुनाई बूढ़े मल्लाह के गायन में - लेखक और मित्र लीन हो गए ।	
18	प्रकाश कुएँ पर आने लगा	
19	**पोस्टर (points) - जातिप्रथा अभिशाप है** 1 . जातिप्रथा समाज का अभिशाप है . . . 2 . जातिप्रथा ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध . . इसे रोको समाज को सधारो । हमारी जाति . . . मानव जाति . . . . 3 . जन्म से कोई ऊँच - नीच नहीं बनता . . . 4 . समाज की उन्नति . . . मानव की उन्नति . . . जातीय असमानता संविधान के खिलाफ । छुआछूत दूर करो , देश की रक्षा पाओ । 5 . धरती पर सभी का हक एक जैसा 6 . करो रोकथाम जातिप्रता का . जाति के नाम पर किसीसे यह अधिकार मत छीनो । अपनावो हमारी सामाजिक उन्नति । **अथवा** लेख - जातिप्रथा एक अभिशाप है जातिप्रथा समाज की एक विकट समस्या है । समाज में लोगों को जन्म के आधार पर विभाजित करना और उच्च या निम्न बताना ठीक नहीं है । हमारे देश का संविधान सभी जातिवालों समानता का अधिकार निश्चित किया है । लेकिन सभी जातिवालों को आज भी हमारे देश में समानता का अधिकार प्राप्त नहीं है । आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है । यानी जातीय असमानता हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में एक	

SHANIL PARAL

	है । स्वतंत्रता के 70 साल बीत जाते समय भी भारत के कुछ प्रदेशों में जाति के नाम पर लोगों पर अत्याचार चल रहा है । आधुनिक विकसित समाज में जातीयता के नाम पर लोगों को अलग करना घोर अन्याय मान सकते हैं । सभी लोगों को खाना मिलने , घर मिलने , पीने का पानी मिलने , कपडे मिलने आदि तरह तरह का अधिकार होना चाहिए । अगर हम जातिप्रथा को सफल रूप से रोक न पाएँ तो हमारी सामाजिक उन्नति संभव नहीं होगी	

SHANIL PARAL